लखनऊ और उन्नाव की 513 हेक्टेयर जमीन अधिग्रहीत होगी

लखनऊ एक्सप्रेस-वे के लिए 600 करोड़ जारी

लखनऊ/कानपुर | हिटी

कोरोना काल में ब्रेक लगने के बाद कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेस-वे की गाड़ी चल पड़ी है। एनएचएआई ने टेण्डर के आदेश कर दिए हैं और इसी महीने टेण्डर भी जारी कर दिया जाएगा। साथ ही लखनऊ और उन्नाव प्रशासन ने जमीन अधिग्रहण में 60 फीसद किसानों के नामों की सूची एनएचएआई को सौंप दी है। इसी पर मुआवजा बांटने के लिए 600 करोड़ रुपये एनएचएआई ने जारी कर दिए हैं। धनराशि दोनों प्रशासन के खाते में ट्रांसफर होना शुरू हो गई है।

निर्माण एजेन्सी नामित करने के लिए टेण्डर हो जाएगा। अभी तक दस कम्पनियों ने टेण्डर भरने में रुचि दिखाई है इसमें विदेश की भी दो कम्पनियां हैं। इस बीच अमौसी एयरपोर्ट, वन विभाग और रेलवे ने भी एनओसी एनएचएआई को दे दी है। एक्सप्रेसवे में किसानों से 513 हेक्टेयर जमीन को लेकर तैयारी की गई है। 90 फीसदी जमीन अधिग्रहण का मसौदा पूरा भी हो गया है। उन्नाव के 31 और लखनऊ प्रशासन ने अपने जिले के 11 गांवों की जमीन अधिग्रहण के लिए धारा 3 ए का ड्राफ्ट सूची के साथ पूरा कर एनएचएआई को सौंप दिया है। एक्सप्रेस वे के निर्माण में 4500 और जमीन अधिग्रहण में 900 करोड़ खर्च होंगे।

टेंडर के आदेश

- एक्सप्रेस वे के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू करने के भी आदेश
- अमौसी एयरपोर्ट, वन विभाग, रेलवे से एनएचएआई को एनओसी

"इस महीने के अंत तक टेण्डर जारी हो जाएंगा। उसी के हिसाब से निर्माण एजेन्सियों को आमंत्रित किया जाएगा। इस साल के अंत या नए साल की शुरूआत में निर्माण शुरू हो जाएगा।"

-एनएन गिरि, प्रोजेक्ट डायरेक्टर एनएचएआई

एक्सप्रेस वे का यह है एलाइनमेन्ट

कानपुर की बात करें तो अचलगंज जंक्शन (आजाद मार्ग से आगे 3 किलोमीटर से एक्सप्रेस शुरू होगा) से यह शुरू होगा । बनी से एलीवेटेड पुल के सहारे एक्सप्रेस वे स्कूटर इंडिया के पास से रिंग रोड से जुड़ेगा। साथ ही सरैया क्रॉसिंग से भी कानपुर की कनेक्टिविटी का रास्ता दिया जाएगा। एक्सप्रेस वे की बनी तक ग्रीनफील्ड 66 किलोमीटर की होगी। एक्सप्रेस-वे मौजूदा एनएच-25 फोरलेन से 3.5 किलोमीटर दूर से समानांतर बनेगा।